सी.जी.पी.सी.एस. (प्रारंभिक) परीक्षा, 2019

(महत्त्वपूर्ण अध्ययन सामग्री)

राज्य विशेष एवं समसामयिकी

641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009
दूरभाष : 87501 87501, 011-47532596
टोल फ्री : 1800-121-6260

Web : www.drishtiIAS.com
E-mail : online@groupdrishti.com

पाठ्यक्रम, नोट्स तथा बैच संबंधी updates निरंतर पाने के लिये निम्नलिखित पेज को "like" करें
www.facebook.com/drishtithevisionfoundation
www.twitter.com/drishtiias

छत्तीसगढ़ : सामान्य परिचय
(Chhattisgarh : General Introduction)

- राज्य का नाम – छत्तीसगढ़
- राज्य की स्थापना – 1 नवंबर, 2000 (देश का 26वाँ राज्य)
- छत्तीसगढ़ मध्यप्रांत का एक संभाग बना – 1862 में
- राज्य की राजधानी – नया रायपुर (पहले रायपुर)
- राज्य की आकृति – सी. हार्स (समुद्री घोड़े) के समान
- राज्य गठन हेतु अधिनियम – मध्य प्रदेश राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 2000
- राज्य का मातृ राज्य – मध्य प्रदेश
- राज्य निर्माण का समय – 9वीं पंचवर्षीय योजना (1997-2002)
- राज्य का अन्य नाम – दक्षिण कोसल
- राज्य की राजकीय भाषा – छत्तीसगढ़ी (स्वीकृति 28 नवंबर, 2007 को)
- राज्य में राज्यसभा सीटें – 5
- राज्य में लोकसभा सीटें – 11
- राज्य में विधानसभा सीटें – 90
- राज्य का उच्च न्यायालय – बिलासपुर (देश का 19वाँ उच्च न्यायालय)
- राज्य में रेलवे ज़ोन – दक्षिण-पूर्व मध्य रेलवे (बिलासपुर) (देश का 16वाँ रेलवे ज़ोन)
- राज्य में शासकीय मुद्रणालय – राजनांदगाँव (1989)
- राज्य में ब्रेल लिपि प्रेस – तिफरा (बिलासपुर)
- राज्य का राजस्व मंडल मुख्यालय – बिलासपुर
- राज्य का नृजातीय म्यूज़ियम – जगदलपुर

राज्य का प्रतीक (Symbol of the State)	
राज्य का प्रतीक चिह्न (स्वीकृति 4 सितंबर, 2001)	● 36 गढों के बीच सुरक्षित, विकास की अदम्य आकांक्षा को दर्शाता गोलाकार चिह्न - हरा रंग ● बीच में भारत का प्रतीक अशोक स्तंभ - लाल रंग ● धान की बालियाँ - सुनहरा रंग ● ऊर्जा का प्रतीक - नीला रंग ● नदियों को रेखांकित करती लहरें - तिरंगे के रंग में
राजकीय पक्षी	बस्तर की पहाड़ी मैना (Hill Myna) (Gracula Religiosa Peninsularis)
राजकीय पशु	वनभैंसा (Wild Buffalo) (Bubalus Bubalis)
राजकीय वृक्ष	साल (Sal) (Shore Robusta)
राजकीय प्रतीक वाक्य	विश्वसनीय छत्तीसगढ़ (Crediable Chhattisgarh)

भौगोलिक स्थिति *(Geographical location)*

- अक्षांश (latitude) – 17°46' N/उ. To/से 24°5'N/उ.

- देशांतर (Longitude) – 80°15' E/पू. To/से 84°24'E/पू.
- राज्य का क्षेत्रफल – 135192 वर्ग किमी. (देश के कुल क्षेत्रफल का 4.14 प्रतिशत एवं मध्य प्रदेश के कुल क्षेत्रफल का 30.47 प्रतिशत)
- राज्य के ज़िले जिनसे कर्क रेखा गुज़रती है – 03 (कोरिया, सूरजपुर, बलरामपुर)
- राज्य के ज़िले, जिनसे भारतीय मानक समय रेखा (IST) गुज़रती है – 07 (सुरजपुर, कोरबा, जांजगीर-चांपा, बलौदाबाज़ार, महासमुंद, गारियाबंद, बालोद)
- राज्य की कर्क रेखा एवं आई.एस.टी. का मिलन बिंदु – सुरजपुर (अन्य स्रोतों में कोरिया)
- क्षेत्रफल के आधार पर देश में स्थान – 10वाँ
- राज्य के पूर्व से पश्चिम की चौड़ाई – 435 किमी.
- राज्य की उत्तर से दक्षिण की लंबाई – 700 से 800 किमी.
- राज्य से सटे राज्यों की संख्या – 7
- अन्य राज्यों से सटे ज़िलों की संख्या – 18
- सर्वाधिक (3) राज्यों से सटे ज़िले – 02 (बलरामपुर व सुकमा)
- 2 राज्यों की सीमा को स्पर्श करने वाले ज़िले – 03 (जशपुर, राजनांदगाँव, बीज़ापुर)
- छत्तीसगढ़ की सबसे लंबी सीमा छूने वाला राज्य – ओडिशा
- छत्तीसगढ़ की सबसे छोटी सीमा छूने वाला राज्य – आंध्र प्रदेश

छत्तीसगढ़ राज्य की भौगोलिक सीमा रेखा

क्रम संख्या	दिशा	राज्य	स्पर्शरत् ज़िलों की संख्या व नाम
1.	पूर्व	ओडिशा	08 (जशपुर, रायगढ़, महासमुंद, गरियाबंद, धमतरी, कोंडागाँव, बस्तर, सुकमा)
2.	पश्चिम-उत्तर	मध्य प्रदेश	07 (बलरामपुर, सूरजपुर, कोरिया, बिलासपुर, मुंगेली, कवर्धा, राजनांदगाँव)
3.	पश्चिम	महाराष्ट्र	04 (राजनांदगाँव, कांकेर, नारायणपुर, बीज़ापुर)
4.	दक्षिण-पश्चिम	तेलंगाना	02 (बीज़ापुर, सुकमा)
5.	उत्तर-पूर्व	झारखंड	02 (बलरामपुर, जशपुर)
6.	उत्तर	उत्तर प्रदेश	01 (बलरामपुर)
7.	दक्षिण	आंध्र प्रदेश	01 (सुकमा)

छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्वत, पहाड़ियाँ एवं उच्चावच स्थल व क्षेत्र

क्र.सं.	पहाड़ियाँ/चोटी	ऊँचाई (मीटर में)	क्षेत्र
1.	गौरलाटा (छत्तीसगढ़ की सबसे ऊँची चोटी)	1225	सामरीपाट (बलरामपुर)
2.	नन्दीराज	1210	बैलाडीला (दंतेवाड़ा)
3.	बदरगढ़	1176	मैकल श्रेणी (कवर्धा)
4.	मैनपाट	1152	सरगुजा
5.	अबूझमाड़ की पहाड़ियाँ	1076	नारायणपुर
6.	पल्मागढ़ की चोटी	1080	पेंड्रा-लोरमी का पठार (बिलासपुर)
7.	लाफागढ़ चोटी	1048	पेंड्रा-लोरमी का पठार (कोरबा)
8.	जारंग पाट	1045	बलरामपुर

9.	देवगढ़	1033	कोरिया
10.	चागभखार की पहाड़ी	–	कोरिया
11.	धारी डोंगर (शिशुपाल)	899	महासमुंद
12.	पेंड्रा लोरमी	800	बिलासपुर
13.	दलहा पहाड़	760	अकलतरा (जांजगीर-चांपा)
14.	डोंगरगढ़ की पहाड़ी	704	मैकल श्रेणी (राजनांदगाँव)
15.	दल्लीराजहरा	700	बालोद
16.	छुरी मतिरिंगा उदयपुर की पहाड़ियाँ		कोरबा, सरगुजा एवं रायगढ़
17.	जशपुर पाट		जशपुर
18.	रामगढ़ की पहाड़ियाँ		सरगुजा
19.	कैमूर पर्वत		कोरिया
20.	सिहावा पर्वत (सुक्तिमति पर्वत)		धमतरी
21.	आरीडोंगरी		भानुप्रतापपुर तहसील क्षेत्र में (कांकेर)
22.	गढ़िया पहाड़ी		कांकेर
23.	कुलहारी पहाड़ी		राजनांदगाँव
24.	मांझीडोगरी		बस्तर
25.	बड़े डोंगर		कोंडागाँव
26.	छोटे डोंगर		नारायणपुर
27.	अलबका की पहाड़ी		बीज़ापुर
28.	सीता लेखनी की पहाड़ी		सूरजपुर
29.	छाता पहाड़ी		बलौदाबाज़ार

प्रशासनिक संरचना *(Administrative Setup)*

- राज्य में कुल ज़िलों की संख्या – 27
- राज्य निर्माण के समय ज़िलों की संख्या – 16
- राज्य निर्माण के बाद 2007 में सृजित ज़िले – 02 (नारायणपुर, बीज़ापुर)
- दिसंबर 2011 में कुल ज़िलों की संख्या – 18
- 2012 में सृजित ज़िले – 09
- क्षेत्रफल के अनुसार सबसे बड़ा ज़िला – राजनांदगाँव
- क्षेत्रफल के अनुसार सबसे छोटा ज़िला – दुर्ग
- राज्य गठन के समय कुल संभाग – 03 (रायपुर, बिलासपुर, बस्तर)
- वर्तमान में कुल संभाग – 05 (रायपुर, बिलासपुर, बस्तर, सरगुजा, दुर्ग)
- क्षेत्रफल में सबसे बड़ा संभाग – बस्तर
- क्षेत्रफल में सबसे छोटा संभाग – –
- राज्य में अनुविभाग की संख्या – 92
- राज्य में कुल तहसीलें – 150
- राज्य में कुल उप-तहसील – 61

- सबसे बड़ी तहसील – पोड़ी उपरोड़ा (कोरबा)
- सर्वाधिक तहसीलों वाला ज़िला – जांजगीर-चांपा (10 तहसील)
- सबसे कम तहसीलों वाला ज़िला – नारायणपुर (2 तहसील)
- राजस्व निरीक्षक मंडलों की संख्या – 730
- विकासखंडों की संख्या – 146
- आदिवासी विकासखंडों की संख्या – 85
- ज़िला पंचायतों की संख्या – 27
- जनपद पंचायतों की संख्या – 146
- ग्राम पंचायतों की संख्या – 10976
- नगर निगमों की संख्या – 13
- नगर पालिकाओं की संख्या – 44
- नगर पंचायतों की संख्या – 111
- कुल ग्राम (जनगणना 2011) – 20126
- कुल आबाद ग्राम (जनगणना 2011) – 19576
- कुल वीरान ग्राम (जनगणना-2011) – 559

छत्तीसगढ़ में वर्तमान संभाग

क्रम संख्या	संभाग	स्थापना वर्ष	मुख्यालय	ज़िले	प्रमुख तथ्य
1.	रायपुर	1862	रायपुर	05	● सबसे प्राचीन संभाग
2.	बिलासपुर	1956	बिलासपुर	05	● जनसंख्या की दृष्टि से सबसे बड़ा संभाग
3.	बस्तर	1981	जगदलपुर	07	● क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा संभाग ● जनसंख्या की दृष्टि से सबसे छोटा संभाग
4.	सरगुजा	1 अप्रैल, 2008	अंबिकापुर	05	
5.	दुर्ग	सितंबर 2013	दुर्ग	05	● सबसे नवीन संभाग ● क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे छोटा संभाग

छत्तीसगढ़ की प्रशासनिक संरचना

संभाग	ज़िला	महत्त्वपूर्ण तथ्य
1. रायपुर	1. रायपुर	● रायपुर की स्थापना ज़िले के रूप में 1861 में हुई थी। ● रायपुर छत्तीसगढ़ राज्य की राजधानी के साथ ही राज्य का सबसे बड़ा शहर भी है, कल्चुरि राजा रामचंद्र के पुत्र ब्रह्मदेव राय ने रायपुर की स्थापना की थी। ● ज़िले का क्षेत्रफल 2914.37 वर्ग किलोमीटर है। ● 1998 में रायपुर ज़िले से 2 नए ज़िले महासमुंद एवं धमतरी का सृजन हुआ। 1 जनवरी, 2012 को रायपुर से पुनः 2 नए ज़िले- बलौदाबाज़ार-भाटापारा एवं गरियाबंद का निर्माण हुआ। ● रायपुर के 6 पड़ोसी ज़िले हैं- दुर्ग, बेमेतरा, महासमुंद, धमतरी, गरियाबंद तथा बलौदाबाज़ार- भाटापारा। ● रायपुर ज़िले की जनसंख्या (2011 की जनगणना के अनुसार) 21,60,876 है। ● यहाँ 2 नगरनिगम, 3 नगरपालिका, 4 नगर पंचायत, 408 ग्राम पंचायत, 4 जनपद पंचायत, 4 तहसील, 4 विकासखंड, 32 पुलिस स्टेशन एवं 491 गाँव हैं।

	2. महासमुंद	● 6 जुलाई, 1998 में यह रायपुर से अलग होकर नया ज़िला बना। ● ज़िले का क्षेत्रफल 4963.01 वर्ग किमी. है। ● बौद्ध, जैन एवं हिंदु धर्म का विश्व प्रसिद्ध केंद्र सिरपुर इसी ज़िले में है। सिरपुर का पुराना नाम श्रीपुर और चित्रांगदपुर था जो शरभपुरीय पांडुवंशी राजाओं की राजधानी थी। ● ऐसी मान्यता है कि महात्मा बुद्ध और प्रसिद्ध चीनी यात्री ह्वेनसांग सिरपुर आए थे। ● महाभारत कालीन स्थल खल्लारी व बारनवापारा अभयारण्य भी इसी ज़िले में हैं। ● इसके 4 पड़ोसी ज़िले हैं- रायगढ़, बलौदाबाज़ार- भाटापारा, रायपुर और गरियाबंद। ● महासमुंद की जनसंख्या (2011 की जनगणनानुसार) 10,32,754 है। ● यहाँ 3 नगरपालिका, 3 नगर पंचायत, 5 तहसील, 5 विकासखंड, 12 पुलिस स्टेशन एवं 1153 गाँव हैं।
	3. धमतरी	● आधिकारिक तौर पर 6 जुलाई, 1998 को रायपुर से अलग होकर नया ज़िला बना। ● ज़िले का क्षेत्रफल 4081.93 वर्ग किमी है। ● इस ज़िले का ऐतिहासिक महत्त्व है कि यह ज़िला स्वतंत्रता आंदोलन का प्रमुख केंद्र रहा है। 1920 में गांधीजी सर्वप्रथम यहीं आये थे। ● कंडेल नहर सत्याग्रह, जंगल सत्याग्रह के लिये यह नगर प्रसिद्ध है। ● महानदी और सोंढूर इस ज़िले की प्रमुख नदियाँ हैं। ● इसके 06 सीमावर्ती ज़िले हैं- रायपुर, दुर्ग, कांकेर, बालोद, गरियाबंद और कोंडागाँव। ● ज़िले की जनसंख्या (2011 की जनगणनानुसार) 7,99,781 है। ● यहाँ 4 विकासखंड, 1 नगरनिगम, 5 नगर पंचायत एवं 649 गाँव हैं।
	4. बलौदाबाज़ार -भाटापारा	● 1 जनवरी, 2012 को में रायपुर ज़िले से अलग होकर नया ज़िला बना। ● ज़िले का क्षेत्रफल 4676.97 वर्ग किमी है। ● बलौदाबाज़ार एक जमाने में बैलों के बड़े बाज़ार के तौर पर मशहुर था इस कारण इस जगह का नाम बलौदाबाज़ार पड़ गया। ● गुरू बाबा घासीदास की जन्मभूमि और तभोभूमि गिरौदपुरी, भी इसी ज़िले में हैं। गिरौदपुरी में राज्य शासन द्वारा कुतुबमीनार से ऊँचे जैतखाम का निर्माण किया गया है। ● भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रथम शहीद वीर नारायण सिंह भी ज़िले के सोनाखान से हैं। ● इसके 07 पड़ोसी ज़िले हैं- जांजगीर-चांपा, रायगढ़, महासमुंद, रायपुर, बेमेतरा, मुंगेली, बिलासपुर। ● बलौदाबाज़ार-भाटापारा की जनसंख्या (2011 की जनगणनानुसार) 13,05,343 है। ● यहाँ 2 नगरपालिकाएँ, 7 नगर पंचायत, 6 विकासखंड, 17 पुलिस स्टेशन एवं 961 गाँव हैं।

	5. गरियाबंद	● 11 जनवरी, 2012 को ज़िला अस्तित्व में आया। ● ज़िले का क्षेत्रफल 5854.94 वर्ग किमी. है। ● ज़िले में प्रमुख तीर्थ स्थल राजिम है, जिसे 'छत्तीसगढ़ का प्रयागराज' भी कहा जाता है। ● दुर्लभ प्रजाति के वन भैंसों के लिये विख्यात उदंती अभयारण्य ज़िले के मैनपुर विकासखंड में ही स्थित है। ● देवभोग क्षेत्र के चावल इस ज़िले की पहचान हैं। ● इसके 3 सीमावर्ती ज़िले हैं- रायपुर, महासमुंद और धमतरी। ● ज़िले की जनसंख्या (2011 की जनगणनानुसार) 5,97,653 है। ● ज़िले में 1 नगरपालिका, 3 नगर पंचायत, 5 विकासखंड, 5 तहसील तथा 332 ग्राम पंचायत हैं।
2. बिलासपुर	1. बिलासपुर	● ज़िले की स्थापना 1861 में हुई थी। ● ज़िले का क्षेत्रफल 5818.49 वर्ग किमी. है। ● यह शहर लगभग 400 वर्ष पुराना है और इसका नाम 'बिलासपुर' बिलासा बाई केंवटीन के नाम पर पड़ा। ● पूरे छत्तीसगढ़ राज्य के लिये बिलासपुर ज़िले को 'धान का कटोरा' के नाम से जाना जाता है। ● रायपुर-भिलाई-दुर्ग ट्राई सिटी मेट्रो क्षेत्र के बाद यह राज्य का दूसरा सबसे बड़ा शहर है। ● ज़िले को राज्य की न्यायधानी के नाम से भी जाना जाता है। ज़िले के बोदरी गाँव में छत्तीसगढ़ राज्य का उच्च न्यायालय स्थित है, जो एशिया का सबसे बड़ा उच्च न्यायालय है। ● अचानकमार अभयारण्य एवं टाइगर रिज़र्व, महामाया मंदिर (रतनपुर), खूँटाघाट, मल्हार एवं देवरानी-जेठानी मंदिर इसी ज़िले में हैं। ● ज़िले की प्रमुख नदी अरपा है। ● ज़िले की जनसंख्या (2011 की जनगणनानुसार) 19,61,922 है। ● इसके 5 सीमावर्ती ज़िले हैं- मुंगेली, कोरिया, कोरबा, जांजगीर-चांपा, बलौदाबाज़ार-भाटापारा। ● ज़िले में 1 नगर निगम, 8 नगर पंचायत, 3 नगरपालिका, 7 विकासखंड, 8 तहसील तथा 645 ग्राम पंचायत हैं।
	2. रायगढ़	● ज़िले की स्थापना 1 जनवरी, 1948 को हुई थी। ● इसका क्षेत्रफल 6527.74 वर्ग किमी. है। ● रायगढ़ अपनी सांस्कृतिक विरासत के कारण छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक नगरी के नाम से प्रसिद्ध है। इसे 'सिटी ऑफ म्यूज़िक' भी कहा जाता है। ● महाराज मदन सिंह को रायगढ़ राज्य का संस्थापक माना जाता है। ● बिरहोर इस ज़िले की विशिष्ट जनजाति है, जो धरमजयगढ़ क्षेत्र में निवास करती है।

		● सिंघनपुर शैलचित्र, कबरापहाड़, रामझरना आदि प्रसिद्ध स्थल और गोमरदा अभयारण्य इसी ज़िले में हैं। ● रायगढ़ के 6 पड़ोसी ज़िले हैं- सरगुजा, जशपुर, महासमुंद, बलौदाबाज़ार-भाटापारा, जांजगीर-चांपा और कोरबा। ● रायगढ़ की जनसंख्या (2011 की जनगणनानुसार) 14,93,984 है। ● ज़िले में 1 नगर निगम, 2 नगर पालिका, 7 नगर पंचायत, 9 तहसील, 761 ग्राम पंचायत, 26 पुलिस स्टेशन तथा 1485 गाँव हैं।
	3. मुंगेली	● 142 साल पुरानी प्रदेश की सबसे बड़ी तहसीलों में से एक मुंगेली 1 जनवरी, 2012 को राज्य का 21वाँ ज़िला बना। ● ज़िले का क्षेत्रफल 2750.36 वर्ग किमी. है। ● ज़िले में मदकू द्वीप, हथनीकिला मंदिर, सत्यनारायण मंदिर जैसे कई धार्मिक स्थल हैं। मदकू द्वीप में 10वीं-12वीं शताब्दी का अति प्राचीन शिवमंदिर है। ● ज़िले की लोरमी तहसील में प्रसिद्ध अचानकमार अभयारण्य भी है, जिसे 2009 में टाईगर रिज़र्व घोषित किया गया। ● इसके 4 सीमावर्ती ज़िले हैं- बिलासपुर, बलौदाबाज़ार- भाटापारा, बेमेतरा और कवर्धा। ● ज़िले की जनसंख्या (2011 की जनगणनानुसार) 7,01701 है। ● ज़िले में 1 नगरपालिका, 3 नगर पंचायत, 5 राजस्व निरीक्षक सर्किल, 3 विकासखंड, 10 पुलिस स्टेशन एवं 771 गाँव हैं।
	4. कोरबा	● कोरबा ज़िला को 25 मई, 1998 को पूर्ण राजस्व ज़िले का दर्जा प्राप्त हुआ। ● ज़िले का क्षेत्रफल 7145.44 वर्ग किमी. है। ● यह हसदेव और अहिरन नदी के संगम के किनारे स्थित है। ● कोरबा को छत्तीसगढ़ की 'ऊर्जा राजधानी' के नाम से जाना जाता है। यहाँ देश की सबसे बड़ी भूमिगत कोयला खदान गेवरा माईंस है। ● कोरबा के 6 सीमावर्ती ज़िले हैं- कोरिया, सूरजपुर, सरगुजा, रायगढ़, जांजगीर-चांपा और बिलासपुर। ● कोरबा की जनसंख्या (2011 की जनगणनानुसार) 12,06,640 है। ● ज़िले में 1 नगर निगम, 2 नगरपालिका, 2 नगरपंचायत, 1 ज़िला पंचायत, 5 जनपद पंचायत, 5 तहसील, 17 पुलिस स्टेशन एवं 792 गाँव हैं।
	5. जांजगीर-चांपा	● ज़िले की स्थापना 25 मई, 1998 को हुई थी। ● ज़िले का क्षेत्रफल 4466.74 वर्ग किमी. है। ● ज़िले का मुख्यालय जांजगीर कलचुरी वंश के महाराजा जाजल्य देव की नगरी है। ● जांजगीर-चांपा को कोसा, कांसा और कंचन की नगरी भी कहा जाता है। ● छत्तीसगढ़ की काशी के नाम से विख्यात खरोद और राज्य का सबसे गर्म स्थान चांपा इसी ज़िले में है। ● हसदेव परियोजना को ज़िला के लिये जीवन वाहिनी के रूप में माना गया है। ● ज़िले की जनसंख्या (2011 की जनगणनानुसार) 16,19,707 है। ● इसके पड़ोसी ज़िले हैं- कोरबा, रायगढ़, बलौदाबाज़ार- भाटापार और बिलासपुर ● ज़िले में 04 नगरपालिका, 11 नगर पंचायत, 01 ज़िला पंचायत, 9 जनपद पंचायत, 10 तहसील, 9 विकासखंड, 631 ग्राम पंचायत तथा 915 गाँव हैं।

3. बस्तर	1. बस्तर	● बस्तर, प्रदेश के दक्षिणी भाग में स्थित ज़िला है। जिसकी स्थापना 1948 में हुई थी। बस्तर ज़िले एवं बस्तर संभाग का मुख्यालय जगदलपुर है। ● ज़िले का क्षेत्रफल 6418.05 वर्ग किमी. है। ● ऐतिहासिक रूप से यह क्षेत्र रामायण में 'दंडकारण्य' और महाभारत में 'कोसला' साम्राज्य का हिस्सा है। ● प्राचीन समय में यह दक्षिण कोसल के नाम से विख्यात था। ● खूबसूरत जंगलों और आदिवासी संस्कृति में रंगा ज़िला बस्तर, प्रदेश की सांस्कृतिक राजधानी के तौर पर जाना जाता है। ● 1999 से पहले यह ज़िला केरल जैसे राज्य और बेल्जियम, इज़राइल जैसे देशों से भी बड़ा था। 1999 में इसको विभाजित कर कांकेर और दंतेवाड़ा नामक दो नए ज़िले बनाए गए। ● बस्तर महल, बस्तर दशहरा, दलपत सागर, चित्रकोट जलप्रपात, तीरथगढ़ जलप्रपात, कुटुमसर और कैलाश गुफा आदि पर्यटन के मुख्य केंद्र हैं। ● बस्तर के 4 सीमावर्ती ज़िले हैं- कोंडागाँव, बीज़ापुर, दंतेवाड़ा और सुकमा। ● बस्तर की जनसंख्या (2011 की जनगणनानुसार)8,34,375 है। ● बस्तर में 1 नगर निगम, 1 नगरपालिका, 1 नगरपंचायत, 7 तहसील और 595 गाँव हैं।
	2. दंतेवाड़ा (दक्षिण बस्तर)	● वर्तमान दंतेवाड़ा ज़िला 25 मई, 1998 को अस्तित्व में आया। इससे पूर्व यह बस्तर ज़िला का एक तहसील था इसका मुख्यालय दंतेवाड़ा है। ● ज़िले का क्षेत्रफल 3410.50 वर्ग किमी है। ● बस्तर के दक्षिण भाग में स्थित होने के कारण इस ज़िले का नाम दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा रखा गया। ● इस शहर का नाम क्षेत्र की आराध्य देवी माँ दंतेश्वरी के नाम पर पड़ा। अनुश्रुति है कि दक्ष यज्ञ के दौरान गिरे सती के बावन अंगों में से एक यहाँ गिरा और इस शक्तिपीठ का निर्माण हुआ। ● बारसूर का स्थापत्य दंतेवाड़ा के गौरवशाली इतिहास का साक्षी है। ● 2007 में ज़िले को विभाजित कर एक नया ज़िला बीज़ापुर बनाया गया तथा 2012 में पुनः दंतेवाड़ा से एक नया ज़िला सुकमा बनाया गया। ● इसके पड़ोसी ज़िले हैं- बस्तर, सुकमा, बीज़ापुर ● इसकी जनसंख्या (2011 की जनगणनानुसार) 2,83,479 है। ● यहाँ 3 नगरपालिका, 2 नगर पंचायत, 4 जनपद पंचायत, 4 तहसील, 124 ग्राम पंचायत और 12 पुलिस स्टेशन हैं।
	3. कांकेर (उत्तर बस्तर)	● पहले कांकेर बस्तर ज़िले का एक हिस्सा था, लेकिन 1998 में कांकेर को एक ज़िले के रूप में पहचान मिली। ● ज़िले का क्षेत्रफल 6432.68 वर्ग किमी. है। ● इसके 5 सीमावर्ती ज़िले हैं- राजनांदगाँव, बालोद, धमतरी, कोंडागाँव और नारायणपुर। ● ज़िले की जनसंख्या (2011 जनगणनानुसार) 7,84,941 है। ● यहाँ 1 नगरपालिका, 5 नगरपंचायत, 7 जनपद हैं।

	4. बीज़ापुर	● यह पहले दंतेवाड़ा ज़िला का हिस्सा था। 1 मई, 2007 को इसका गठन हुआ। ● ज़िले का क्षेत्रफल 6552.96 वर्ग किमी. है। ● ज़िले का सबसे ऊपरी शिखर बैलडिला है, जिसे 'बैल का कूबड़' भी कहा जाता है। ● राज्य का पहला टाइगर प्रोजेक्ट ज़िले के इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान में शुरू हुआ था। ● वन भैंसों के संरक्षण के लिये प्रसिद्ध पामेड़ अभयारण्य भी इसी ज़िले में ही है। ● इसके 5 सीमावर्ती ज़िले हैं- नारायणपुर, कोंडागाँव, बस्तर, दंतेवाड़ा और सुकमा। ● इसकी जनसंख्या (2011 की जनगणनानुसार), 2,55,230 है। ● यहाँ 1 नगरपालिका, 2 नगर पंचायत, 4 तहसील, 4 विकासखंड, 169 ग्राम पंचायत तथा 699 गाँव हैं।
	5. नारायणपुर	● यह क्षेत्र पारंपरिक रूप से महाकाव्य रामायण में दंडकारण्य और महाभारत में कोसला साम्राज्य का हिस्सा था। ● 1 मई, 2007 को यह ज़िला अपने वर्तमान स्वरूप में अस्तित्व में आया। ● ज़िले का क्षेत्रफल 6922.68 वर्ग किमी. है। ● इसके 5 सीमावर्ती ज़िले हैं- कांकेर, कोंडागाँव, बस्तर, दंतेवाड़ा, बीज़ापुर। ● ज़िले की जनसंख्या (2011 की जनगणनानुसार) 6,58,587 है। ● यहाँ 1 नगरपालिका, 2 जनपद पंचायत, 98 ग्राम पंचायत, 8 पुलिस स्टेशन और 413 गाँव हैं।
	6. सुकमा	● 1 जनवरी, 2012 को दंतेवाड़ा से अलग होकर राज्य का 23वाँ ज़िला बना। ● ज़िले का क्षेत्रफल 5635.79 वर्ग किमी. है। ● यह घोर नक्सल प्रभावित ज़िला है और NH–30 से जुड़ा है। ● ज़िले की सीमा बस्तर, बीज़ापुर और दंतेवाड़ा से मिलती है। ● ज़िले की जनसंख्या (2011 की जनगणनानुसार) 2,50,179 है। ● यहाँ 1 नगरपालिका, 2 नगरपंचायत, 3 जनपद पंचायत, 3 तहसील और 146 ग्राम पंचायत हैं।
	7. कोंडागाँव	● यह जनवरी 2012 को ज़िले के रूप में अस्तित्व में आया। ● इसका प्राचीन नाम कोंडानार था। ● ज़िले का क्षेत्रफल 3684.33 वर्ग किमी है। ● कोंडागाँव के 05 सीमावर्ती ज़िले हैं- धमतरी, कांकेर, नारायणपुर, बीज़ापुर और बस्तर। ● ज़िले की जनसख्या (2011 की जनगणनानुसार) 5,78,824 है। ● यहाँ 1 नगरपालिका, 3 नगरपंचायत, 5 जनपद पंचायत, 263 ग्राम पंचायत और 10 पुलिस स्टेशन हैं।

4. सरगुजा	1. सरगुजा	● इसकी स्थापना 1 नवंबर, 1948 को हुई थी। इसका मुख्यालय अंबिकापुर है। ● ज़िले का क्षेत्रफल 5019.80 वर्ग किमी है। ● ज़िले का लगभग 58% भाग वनों से ढका है। ● इसके 5 सीमावर्ती ज़िले हैं- सूरजपुर, बलरामपुर, जशपुर, रायगढ़ और कोरबा। ● यहाँ की जनसंख्या (2011 की जनगणनानुसार) 8,40,352 है। ● यहाँ 1 नगर निगम, 2 नगर पंचायत, 7 जनपद पंचायत, 7 तहसील और 399 गाँव हैं।
	2. कोरिया	● यह मूल ज़िला सरगुजा से अलग होकर 25 मई, 1998 को एक नया ज़िला बना। ज़िला मुख्यालय बैकुंठपुर है। ● ज़िले का क्षेत्रफल 5977.70 वर्ग किमी. है। ● यहाँ उच्च कोटि के कोयला का विशाल भंडार है। ● ज़िले का छोटा-सा हिस्सा गंगा बेसिन में निहित है और शेष भाग महानदी बेसिन में है। ● इसके 3 सीमावर्ती ज़िले हैं- सूरजपुर, कोरबा और बिलासपुर ● इसकी जनसंख्या (2011 की जनगणनानुसार) 6,58,917 है। ● यहाँ 1 नगरनिगम, 3 नगर पालिका, 3 नगर पंचायत, 5 तहसील, 5 जनपद पंचायत और 638 गाँव हैं।
	3. जशपुर	● जशपुर ज़िले की स्थापना मई 1998 में हुई थी। ● ज़िले का क्षेत्रफल 6457.41 वर्ग किमी. है। ● यह झारखंड और ओडिशा की सीमा से सटा राज्य के उत्तर-पूर्वी भाग में स्थित है। ● आज़ादी से पहले जशपुर एक रियासत थी। ● इसके 3 सीमावर्ती ज़िले हैं- बलरामपुर, सरगुजा और रायगढ़। ● इसकी जनसंख्या (2011 की जनगणनानुसार) 8,51,669 है। ● यहाँ 1 नगरपालिका, 4 नगर पंचायत, 8 जनपद पंचायत, 13 पुलिस स्टेशन और 766 गाँव हैं।
	4. सूरजपुर	● 1 जनवरी, 2012 को यह राज्य के 26वें ज़िले के रूप में अस्तित्व में आया। ● ज़िले का क्षेत्रफल 4998.26 वर्ग किमी है। ● इसे पहले 'दंदबुल्ला' के नाम से जाना जाता था बाद में 'सूर्यपुर' और वर्तमान में सूरजपुर। ● इसके 4 सीमावर्ती ज़िले हैं- कोरिया, कोरबा, सरगुजा और बलरामपुर। ● इसकी जनसंख्या (2011 की जनगणनानुसार) 789043 है। ● यहाँ 1 नगरपालिका, 5 नगर पंचायत, 6 जनपद पंचायत और 547 गाँव हैं।
	5. बलरामपुर	● यह 1 जनवरी, 2012 को सरगुजा से अलग होकर राज्य का 24वाँ ज़िला बना। ● ज़िले का क्षेत्रफल 6016.34 वर्ग किमी है। ● यह ज़िला उत्तर प्रदेश, झारखंड और मध्य प्रदेश राज्यों के साथ अपनी सीमाएँ साझा करता है। ● इसके 3 सीमावर्ती ज़िले हैं- सूरजपुर, सरगुजा और जशपुर। ● इसकी जनसंख्या (2011 जनगणनानुसार) 7,30,491 है। ● यहाँ 1 नगरपालिका, 4 नगर पंचायत, 6 जनपद पंचायत, 415 ग्राम पंचायत तथा 636 गाँव हैं।

5. दुर्ग	1. दुर्ग	● दुर्ग ज़िले का गठन 1 जनवरी, 1906 को रायपुर और बिलासपुर के कुछ क्षेत्रों को मिलाकर किया गया था। 1906 से पहले दुर्ग रायपुर ज़िले की एक तहसील थी। ● 26 जनवरी, 1973 को दुर्ग को विभाजित कर एक नया ज़िला राजनांदगाँव बनाया गया। ● 1 जनवरी, 2012 को दुर्ग को पुनः विभाजित कर दो नए ज़िले बेमेतरा और बालोद अस्तित्व में आए। ● ज़िले का क्षेत्रफल 2319.99 वर्ग किमी. है। ● दुर्ग छत्तीसगढ़ के हृदय स्थल में शिवनाथ नदी के पूर्व में स्थित है। ● यह ज़िला छत्तीसगढ़ में औद्योगिक विकास का अग्रदूत है। ● इस्पात शहर के नाम से विख्यात नगर भिलाई इसी ज़िले में है। सोवियत रूस के सहयोग से भारत का निजी क्षेत्र का पहला इस्पात कारखाना यहीं स्थपित किया गया था। ● जैन धर्म के 23वें तीर्थकर भगवान पारसनाथ जी का अद्‌भूत मंदिर ज़िले के नगपुरा में है। ● इसके 5 सीमावर्ती ज़िले हैं- राजनांदगाँव, रायपुर, बेमेतरा, बालोद और धमतरी। ● ज़िले में उच्चतम गुणवत्ता वाले चूना-पत्थर का समृद्ध भंडार है। ● ज़िले की जनसंख्या (2011 की जनगणनुसार) 17,21,948 है। ● यहाँ 3 नगर निगम, 3 नगर पंचायत, 3 नगर पालिका, 3 विकासखंड, 3 तहसील, 297 ग्राम पंचायत एवं 388 गाँव हैं।
	2. राजनांदगाँव	● ज़िला राजनांदगाँव 26 जनवरी, 1973 को तात्कालिक दुर्ग ज़िले से अलग होकर अस्तित्व में आया। रियासत काल में यह एक राज्य के रूप में विकसित था एवं यहाँ पर सोमवंशी, कलचुरी एवं मराठाओं का शासन रहा। ● पूर्व में यह 'नंदग्राम' के नाम से जाना जाता था। ● 1 जुलाई, 1998 को ज़िले के कुछ हिस्से को अलग कर एक नया ज़िला कबीरधाम की स्थापना की गई। ● ज़िले का क्षेत्रफल 8022.52 वर्ग किमी. है। ● यह प्रदेश का सबसे बड़ा ज़िला हैं। ● एशिया का पहला संगीत विश्वविद्यालय इंदिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ इसी ज़िले में है। ● सुप्रसिद्ध शक्तिपीठ माता बम्लेश्वरी का मंदिर इसी ज़िले के डोंगरगढ़ में स्थित है। ● ज़िले के 5 सीमावर्ती ज़िलें हैं- कबीरधाम, बेमेतरा, दुर्ग, बालोद और कांकेर। ● ज़िले की जनसंख्या (2011 जनगणनानुसार) 15,37,133 है। ● ज़िले में 1 नगर निगम, 2 नगरपालिका, 5 नगर पंचायत, 9 जनपद पंचायत, 798 ग्राम पंचायत, 24 पुलिस स्टेशन एवं 1649 गाँव हैं।

	3. बेमेतरा	● इस ज़िले का गठन 1 जनवरी, 2012 को दुर्ग ज़िले के विभाजन द्वारा हुआ। सन् 1906 में जब दुर्ग ज़िला बना तो ज़िले की तीन तहसीलों में बेमेतरा प्रमुख तहसील था। ● ज़िले का क्षेत्रफल 2854.81 वर्ग किमी है। ● दुर्ग ज़िले के गजेटियर के अनुसार बेमेतरा सहित पूरा दुर्ग ज़िला प्राचीन सम्राट अशोक के साम्राज्य में शामिल था। ● कहा जाता है कि प्राचीन समय में यहाँ 'व्योमतारा' नाम की रानी का राज्य था, जिसके नाम पर इस नगर का नाम बेमेतरा पड़ा। ● इसके 6 सीमावर्ती ज़िले हैं- कबीरधाम, मुंगेली, बलौदाबाज़ार- भाटापारा, रायपुर, दुर्ग और राजनांदगाँव। ● ज़िले की जनसंख्या (2011 की जनगणनानुसार) 7,95,759 है। ● ज़िले में 1 नगरपालिका, 7 नगर पंचायत, 1 ज़िला पंचायत, 4 जनपद पंचायत, 5 तहसील, 334 ग्राम पंचायत और 700 गाँव हैं।
	4. बालोद	● बालोद ज़िला 1 जनवरी, 2012 को अस्तित्व में आया। ● ज़िले का क्षेत्रफल 3527.00 वर्ग किमी. है। ● बालोद शहर तांदुला नदी के तट पर बसा है। ● इसके 4 सीमावर्ती ज़िले हैं- दुर्ग, धमतरी, कांकेर और राजनांदगाँव ● इसकी जनसंख्या (2011 की जनगणनानुसार) 8,26,165 है। ● ज़िले में 2 नगरपालिका, 6 नगर पंचायत, 1 ज़िला पंचायत, 5 जनपद पंचायत, 5 तहसील, 421 ग्राम पंचायत और 708 गाँव हैं।
	5. कबीरधाम	● ज़िला कबीरधाम 6 जुलाई, 1998 को राजनांदगाँव ज़िले से अलग होकर अस्तित्व में आया। ज़िले का मुख्यालय कवर्धा है। ● ज़िले का क्षेत्रफल 4447.05 वर्ग किमी.। ● यह सकरी नदी के दक्षिणी तट पर स्थित है। ● कबीर साहिब के आगमन और उनके शिष्य धर्मदास के वंशजों की सीट की स्थापना के कारण इसे कबीरधाम नाम दिया गया। ● छत्तीसगढ़ का खुजराहो कहा जाने वाला भोरमदेव भी इसी ज़िले में है। भोरमदेव स्थित शिव मंदिर का निर्माण 11वीं शताब्दी में फणी नागवंशी राजा गोपालदेव ने करवाया था। ● छत्तीसगढ़ का पहला सहकारी शक्कर कारखाना ज़िले के राम्हेपुर नामक गाँव में है। ● इसके 3 सीमावर्ती ज़िले हैं- मुंगेली, बेमेतरा और राजनांदगाँव। ● इसकी जनसंख्या (2011 जनगणनानुसार) 8,22,526 है। ● ज़िले में 1 नगरपालिका, 5 नगरपंचायत, 1 ज़िला पंचायत, 4 जनपद पंचायत, 4 तहसील, 461 ग्राम पंचायत, 14 पुलिस थानें और 1006 गाँव हैं।

छत्तीसगढ़ के प्रमुख प्रवर्तक एवं उनकी उपाधि
(Chief Promoters of Chhattisgarh and Their Degrees)

- छत्तीसगढ़ का सहकारिता पुरुष – राम गोपाल तिवारी
- छत्तीसगढ़ में सहकारिता का जनक – ठा. प्यारेलाल
- दुर्ग ज़िले में सहकारिता के जनक – पं. रत्नाकर झा
- रायपुर ज़िले में सहकारिता के जनक – वामनराव लाखे
- छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता के जनक – माधवराव स्प्रे
- छत्तीसगढ़ में सतनाम पंथ के संस्थापक – गुरु घासीदास
- छत्तीसगढ़ में कबीरपंथ के संस्थापक – चूड़ामणी साहब
- छत्तीसगढ़ का मंगल पांडे – हनुमान सिंह
- छत्तीसगढ़ का भगत सिंह – परसराम सोनी
- छत्तीसगढ़ का तात्याटोपे – गुण्डाधूर
- छत्तीसगढ़ का गांधी – पं. सुंदरलाल शर्मा
- बस्तर का गांधी – मनकू राम सोढ़ी
- छत्तीसगढ़ के वाल्मीकि – गोपाल मिश्र
- छत्तीसगढ़ का पाणिनी – हीरालाल काव्योपाध्याय
- छत्तीसगढ़ के प्रथम शहीद – वीरनारायण सिंह
- 1857 की क्रांति के अंतिम शहीद – सुरेंद्र साय
- मध्यप्रांत के विधानपुरुष – घनश्याम सिंह गुप्त (1937)
- मध्य प्रदेश के विधानपुरुष – मथुरा प्रसाद दुबे (1981)
- ईसाई धर्म के प्रथम प्रचारक – फादर टी. लोर (1868)
- नाचा के जनक – दाऊ दुलार सिंह मंदराजी
- पंडवानी के जनक – झाड़ूराम देवांगन
- लोककला के उद्धारक – दाऊ रामचंद्र देशमुख
- लोकला के पुजारी – महासिंह चंद्राकर

छत्तीसगढ़ के प्रचलित स्थल *(Popular Places of Chhattisgarh)*

- छत्तीसगढ़ का काशी/वाराणसी – खरौद
- छत्तीसगढ़ का कश्मीर – चैतुरगढ़ (कोरबा)
- छत्तीसगढ़ का चितौड़ – लाफागढ़ (कोरबा)
- छत्तीसगढ़ का खजुराहो – भोरमदेव (कबीरधाम)
- छत्तीसगढ़ का प्रयाग – राजिम (गरियाबंद)
- छत्तीसगढ़ का शिमला – मैनपाट (सरगुजा)
- छत्तीसगढ़ का नागलोक – तपकरा (जशपुर)
- छत्तीसगढ़ का चेरापूंजी – अबूझमाड़ (नारायणपुर)
- छत्तीसगढ़ का प्राचीनतम मंदिर – देवरानी-जेठानी मंदिर (5वीं-6वीं शताब्दी) (तालागाँव, बिलासपुर)
- छत्तीसगढ़ की ज्ञान राजधानी – भिलाई (दुर्ग)

- छत्तीसगढ़ की तालाबों की नगरी – रतनपुर (बिलासपुर)
- छत्तीसगढ़ में मंदिरों की नगरी – आरंग (रायपुर)
- छत्तीसगढ़ में टंकियों का शहर – रतनपुर (बिलासपुर)
- छत्तीसगढ़ में चौराहों का शहर – जगदलपुर (दंतेवाड़ा)
- छत्तीसगढ़ में साल वनों का द्वीप – बस्तर

छत्तीसगढ़ में प्रथम *(First in Chhattisgarh)*

ऐतिहासिक दृष्टि से प्रथम

- छत्तीसगढ़ का प्रथम क्षेत्रीय राजंवश – राजर्षितुल्य कुल वंश
- प्रथम कल्चुरी शासक – कलिंगराज (राजधानी-तुम्माण)
- प्रथम मराठा शासक – बिंबाजी भोंसले (राजधानी-रतनपुर)
- प्रथम सूबेदार – महिपत राव दिनकर (राजधानी-रतनपुर)
- प्रथम ज़िलेदार – कृष्णाराव अप्पा
- प्रथम ब्रिटिश अधीक्षक – कैप्टन एडमंड
- प्रथम डिप्टी कमिश्नर – चार्ल्स सी. इलियट
- प्रथम महिला शासिका – प्रफुल्ल कुमारी देवी
- प्रथम जनजाति विद्रोह – हल्बा विद्रोह (1774-1776)

छत्तीसगढ़ के प्रथम प्रशासनिक पदाधिकारी

- प्रथम मुख्यमंत्री – श्री अजीत प्रमोद कुमार जोगी
- प्रथम मुख्य न्यायाधीश – श्री डब्ल्यू.ए. शशांक
- प्रथम कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश – श्री आर.एस. गर्ग
- प्रथम निर्वाचन आयुक्त – श्री अजय कुमार सिंह
- प्रथम मानवाधिकार आयोग अध्यक्ष – श्री के. एम. अग्रवाल
- प्रथम विधानसभा अध्यक्ष – श्री राजेंद्र प्रसाद
- प्रथम विधानसभा उपाध्याक्ष – श्री बनवारीलाल अग्रवाल
- प्रथम गृह मंत्री – श्री नंदकुमार पटेल
- प्रथम शिक्षा मंत्री – श्री सत्यनारायण शर्मा
- प्रथम लोकायुक्त – श्री न्यायमूर्ति कृष्णमुरारी अग्रवाल
- प्रथम राज्यपाल – श्री दिनेश नंदन सहाय
- प्रथम मुख्य सूचना आयुक्त – श्री ए.के. विजयवर्गीय
- प्रथम मुख्य सचिव – श्री अरुण कुमार
- प्रथम महिला आयोग अध्यक्ष – श्रीमती हेमवंत पोर्ते
- प्रथम पुलिस महानिदेशक – श्री मोहन शुक्ल
- छत्तीसगढ़ राज्य लोक सेवा आयोग के प्रथम अध्यक्ष – श्री मोहन शुक्ल
- प्रथम महिला मंत्री (अविभाजित मध्य प्रदेश में) – श्रीमता पद्मावती देवी
- प्रथम महिला मंत्री (छत्तीसगढ़ राज्य में) – श्रीमती गीता देवी सिंह

- प्रथम महिला सांसद – मिनीमाता (रायपुर संसदीय क्षेत्र से)
- छत्तीसगढ़ से सर्वाधिक बार सांसद – स्व. विद्याचरण शुक्ल (9 बार)
- छत्तीसगढ़ राज्य गौ -सेवा आयोग के प्रथम अध्यक्ष – पवन दीवान
- छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग के प्रथम अध्यक्ष – एस. के. मिश्र
- छत्तीसगढ़ के प्रथम व्यक्ति जो किसी राज्य के मुख्यमंत्री बने – पं. रविशंकर शुक्ल (मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री)
- छत्तीसगढ़ के प्रथम व्यक्ति जो किसी राज्य के राज्यपाल बने – ई. राघवेंद्र राव (मध्य प्रदेश के राज्यपाल)
- छत्तीसगढ़ के प्रथम व्यक्ति जो मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष बने – मथुरा प्रसाद दुबे (मध्य प्रदेश विधान अध्यक्ष)

छत्तीसगढ़ में सम्मान के प्रथम प्राप्तकर्त्ता

- पद्मश्री से सम्मानित प्रथम व्यक्ति – मुकुटधर पांडेय (1976)
- पद्मश्री से सम्मानित प्रथम महिला – तीजनबाई (1987)
- पद्मभूषण से सम्मानित प्रथम व्यक्ति – हबीब तनवीर (2002)
- पद्मभूषण से सम्मानित प्रथम महिला – तीजनबाई (2003)
- मिनीमाता सम्मान के प्रथम प्राप्तकर्त्ता – श्रीमती बिन्नी बाई (2001)
- डॉ. खूबचंद बघेल सम्मान के प्रथम प्राप्तकर्त्ता – श्रीकांत गोवर्धन (2001)
- पं. रविशंकर शुक्ल सम्मान के प्रथम प्राप्तकर्त्ता – केयूरभूषण (2001)
- पं. सुंदरलाल शर्मा सम्मान के प्रथम प्राप्तकर्त्ता – विनोद कुमार शुक्ल (2001)
- गुण्डाधूर सम्मान के प्रथम प्राप्तकर्त्ता – आशीष अरोरा (2001)

छत्तीसगढ़ में प्रथम शैक्षणिक संस्थान

- प्रथम महाविद्यालय – छत्तीसगढ़ महाविद्यालय, रायपुर (13 जुलाई, 1938)
- प्रथम संस्कृत महाविद्यालय – रायपुर (1955)
- प्रथम विश्वविद्यालय – इंदिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (राजनांदगाँव) (1956)
- प्रथम सामान्य शिक्षा विश्वविद्यालय – पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (1964)
- प्रथम निजी विश्वविद्यालय – महर्षि विश्वविद्यालय, मंगला बिलासपुर (2002)
- प्रथम चिकित्सा महाविद्यालय – पं. नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर (1963)
- छत्तीसगढ़ का सबसे प्राचीन I.T.I. – कोनी (बिलासपुर 1904)
- राज्य का प्रथम विधि विश्वविद्यालय – हिदायतुल्ला राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, रायपुर।
- राज्य का प्रथम निजी चिकित्सा महाविद्यालय – चंदूलाल चंद्राकर मेमोरियल चिकित्सा, महाविद्यालय, दुर्ग
- राज्य का प्रथम खेल विश्वविद्यालय – राजनांदगाँव (प्रस्तावित)
- राज्य का प्रथम चिकित्सा महाविद्यालय – पं. जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर (1963)

परिवहन एवं संचार *(Transport and Communication)*

- राज्य की सड़कों की कुल लंबाई – 32833 किमी. (मार्च 2018 की स्थिति में)
- राष्ट्रीय राजमार्ग की लंबाई – 3510 किमी.

- राज्य मार्ग की लंबाई – 4176 किमी.
- मुख्य ज़िला मार्ग की लंबाई – 11245 किमी.
- ग्रामीण मार्ग एवं अन्य ज़िला मार्ग की लंबाई – 13902 किमी.
- राज्य में सबसे बड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग – NH30 (638.80 किमी.)
- राज्य में सबसे छोटा राष्ट्रीय राजमार्ग – NH163 (A) (12 किमी.)
- पी.डीब्ल्यू.डी. पक्की सड़कें – 30508.13 किमी.
- पी.डीब्ल्यू.टी. कच्ची सड़कें – 2323.40 किमी.
- सबसे बड़ा राजकीय राजमार्ग – SH5
- सबसे छोटा राजकीय राजमार्ग – SH14
- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़कों की लंबाई (31 मार्च, 2018 तक) – 28750.41 किमी.
- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़कों की कुल संख्या – 6575
- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत पुलों की कुल संख्या – 114
- छत्तीसगढ़ में सर्वप्रथम रेल का संचालन – 27 नवंबर, 1888 (बंगाल-नागपुर)
- बिलासपुर रेल मंडल की स्थापना – सन् 1900 (कलकत्ता रेलवे के अधीन)
- दक्षिण-पूर्व-मध्य रेलवे रेलवे (द.पू.म.रे.) ज़ोन की घोषणा – 20 सिंतबर, 1998 (तात्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा)
- राज्य में रेल लाईन की कुल लंबाई – 1196 किमी.
- दक्षिण-पूर्व-मध्य रेलवे का मुख्यालय – बिलासपुर
- दक्षिण-पूर्व-मध्य रेलवे का उद्घाटन – 7 अप्रैल, 2003
- छत्तीसगढ़ का एकमात्र विमानतल – स्वामी विवेकानंद विमानतल (माना, रायपुर)
- छत्तीसगढ़ में हवाईपट्टी की कुल संख्या – 08
- छत्तीसगढ़ में जल परिवहन हेतु एकमात्र नदी – शबरी नदी
- छत्तीसगढ़ में आकाशवाणी केंद्र की शुरुआत – 2 अक्टूबर, 1963, रायपुर
- वर्तमान में राज्य में उपस्थित कुल आकाशवाणी केंद्र – 06
- राज्य में दूरदर्शन की शुरुआत – 1977, रायपुर
- राज्य में डाकवृत्त की स्थापना – 12 नवंबर, 2001
- राज्य में पोस्ट ऑफिसों की संख्या – 3187
- प्रथम समाचार पत्र – छत्तीसगढ़ मित्र (1900)
- छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता के जनक – माधवराव सप्रे
- प्रथम छत्तीसगढ़ी फिल्म – कहि देबे संदेश
- प्रथम दैनिक समाचार पत्र – महाकौशल (1951)

साक्षरता एवं शिक्षा *(Literacy and Education)*

साक्षर (जनगणना-2011)

- कुल साक्षर जनसंख्या – 15380000 (1.5 करोड़)
- पुरुष साक्षर जनसंख्या – 8808000 (33 लाख)
- महिला साक्षर जनसंख्या – 6572000 (65 लाख)
- ग्रामीण साक्षर जनसंख्या – 11009000 (1.10 करोड़)
- शहरी साक्षर जनसंख्या – 4371000 (43 लाख)

शिक्षा (2017-18)

- प्राथमिक विद्यालयों की संख्या – 33145
- माध्यमिक विद्यालयों की संख्या – 16095
- हाईस्कूल/हायर सेकेंडरी स्कूलों की संख्या – 6630
- प्राथमिक विद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या – 2615195
- माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या – 1642225
- हाईस्कूल/हायर सेकेंडरी स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या – 1487668
- प्राथमिक विद्यालय में शिक्षकों की संख्या – 99538
- माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षों की संख्या – 72881
- हाईस्कूल/हायर सेकेंडरी स्कूलों में शिक्षकों की संख्या – 75717

उच्च शिक्षा संस्थान

- राज्य में विश्वविद्यालय की संख्या – 17
- राज्य में केंद्रीय विश्वविद्यालय की संख्या – 01
- राज्य में राजकीय विश्वविद्यालय की संख्या – 08
- राज्य में निजी विश्वविद्यालय की संख्या – 08
- राज्य का प्राचीन एवं प्रथम विश्वविद्यालय – इंदिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (1956)
- राज्य का एकमात्र केंद्रीय विश्वविद्यालय – गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोनी (बिलासपुर)
- राज्य का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय – पंडित सुंदरलाल शर्मा विश्वविद्यालय, बिरकोना (बिलासपुर)
- राज्य का एकमात्र पत्रकारिता विश्वविद्यालय – कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय, रायपुर
- राज्य का एकमात्र तकनीकी विश्वविद्यालय – स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, भिलाई (दुर्ग)
- राज्य का एकमात्र पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय – कामधेनु विश्वविद्यालय, अंजोरा (दुर्ग)
- राज्य का एकमात्र संस्कृत महाविद्यालय – शासकीय डी.सी.वी. संस्कृत महाविद्यालय, रायपुर
- राज्य में कुल चिकित्सा महाविद्यालय – 10 (7 शासकीय, 03 निजी)
- राज्य का एकमात्र केंद्रीय चिकित्सा महाविद्यालय – अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS), रायपुर

जनसंख्या (जनगणना 2011 के अनुसार)

- राज्य की कुल जनसंख्या – 2,55,45,198
- सर्वाधिक जनसंख्या वाला ज़िला – रायपुर (4063872)
- सर्वाधिक स्त्री जनसंख्या वाला ज़िला – नारायणपुर (139820)
- सर्वाधिक स्त्री जनसंख्या वाला ज़िला – रायपुर (2015686)
- सबसे कम स्त्री जनसंख्या वाला ज़िला – नारायणपुर (69716)
- सर्वाधिक पुरुष जनसंख्या वाला ज़िला – रायपुर
- सर्वाधिक कम पुरुष जनसंख्या वाला ज़िला – नारायणपुर
- ग्रामीण जनसंख्या – 19607961
- सर्वाधिक ग्रामीण जनसंख्या वाला ज़िला – रायपुर (2580583)
- सबसे कम ग्रामीण जनसंख्या वाला ज़िला – नारायणपुर (117714)
- नगरीय जनसंख्या – 5937237
- सर्वाधिक नगरीय जनसंख्या वाला ज़िला – रायपुर (1483289)
- सबसे कम नगरीय जनसंख्या वाला ज़िला – नारायणपुर (22106)
- स्त्री-पुरुष अनुपात – 991:1000
- सर्वाधिक स्त्री-पुरुष अनुपात वाला ज़िला – कोण्डागाँव (1033:1000)
- सबसे कम स्त्री-पुरुष अनुपात वाला ज़िला – रायपुर (963:1000)
- जनसंख्या वृद्धि दर – 22.61 प्रतिशत
- सर्वाधिक जनसंख्या वृद्धि दर वाला ज़िला – कबीरधाम (41.71 प्रतिशत)
- सबसे कम जनसंख्या वृद्धि दर वाला ज़िला – बीज़ापुर (8.78 प्रतिशत)
- जन्मदर – 24.90 प्रतिशत
- ग्रामीण जन्मदर – 26.30 प्रतिशत
- शहरी जन्मदर – 18.30 प्रतिशत
- मृत्युदर – 7.90 प्रतिशत
- ग्रामीण मृत्युदर – 8.30 प्रतिशत
- शहरी मृत्युदर – 6.10 प्रतिशत
- जनसंख्या घनत्व – 189 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी.
- सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला ज़िला – जांजगीर-चांपा (420 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी.)
- सबसे कम जनसंख्या घनत्व वाला ज़िला – बीज़ापुर एवं नारायणपुर
- राज्य की कुल साक्षर जनसंख्या – 15379922
- सर्वाधिक साक्षर जनसंख्या वाला ज़िला – रायपुर
- सबसे कम साक्षर जनसंख्या वाला ज़िला – नारायणपुर
- सर्वाधिक साक्षरता प्रतिशत वाला ज़िला – दुर्ग (79.06 प्रतिशत)
- सबसे कम साक्षरता प्रतिशत वाला ज़िला – बीज़ापुर (40.86 प्रतिशत)
- सर्वाधिक स्त्री साक्षरता वाला ज़िला – रायपुर

- सबसे कम स्त्री साक्षरता वाला ज़िला – नारायणपुर
- सर्वाधिक स्त्री साक्षरता प्रतिशत वाला ज़िला – दुर्ग (70.23 प्रतिशत)
- सबसे कम स्त्री साक्षरता प्रतिशत वाला ज़िला – बीज़ापुर (31.11 प्रतिशत)
- सर्वाधिक पुरुष साक्षरता वाला ज़िला – रायपुर
- सबसे कम पुरुष साक्षरता वाला ज़िला – नारायणपुर
- सर्वाधिक पुरुष साक्षरता प्रतिशत वाला ज़िला – दुर्ग (87.82 प्रतिशत)
- सबसे कम पुरुष साक्षरता प्रतिशत वाला ज़िला – बीज़ापुर (50.46 प्रतिशत)

वन, वन्यजीव एवं अभयारण्य *(Forest, Wildlife and Sanctuary)*

वन (Forest)

- प्रदेश में वन क्षेत्रफल – 59772 वर्ग किमी. (छत्तीसगढ़ वन मंत्रालय के अनुसार)
  55547 वर्ग किमी. (ISFR–2017 के अनुसार)
- प्रदेश के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल में वन – 44.21%
- देश में वन आवरण की दृष्टि से राज्य का स्थान – तीसरा (प्रथम– मध्य प्रदेश, दूसरा– अरुणाचल प्रदेश)
- राज्य में आरक्षित वन – 25782.17 वर्ग किमी. (43.13%)
- राज्य में संरक्षित वन – 24036.1 वर्ग किमी. (40.22%)
- राज्य में अवर्गीकृत वन – 9954.13 वर्ग किमी. (16.65%)
- राज्य में साल वन – 24244.88 वर्ग किमी. (40.56%)
- राज्य में सौगान वन – 5533.13 वर्ग किमी. (9.42%)
- राज्य में मिश्रित वन – 26018.38 वर्ग किमी. (43.52%)
- राज्य में कार्य आयोग्य वन – 3876.01 वर्ग किमी. (6.5%)
- क्षेत्रफल के अनुसार सर्वाधिक वनों वाला ज़िला – नारायणपुर
- क्षेत्रफल के अनुसार सबसे कम वनों वाला ज़िला – दुर्ग
- प्रतिशत के आधार पर सर्वाधिक वनों वाला ज़िला – बस्तर/नारायणपुर
- प्रतिशत के आधार पर सबसे कम वनों वाला ज़िला – दुर्ग
- छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम की स्थापना – मई 2001 (रायपुर)
- राज्य में वनपाल प्रशिक्षण संस्थान – जगदलपुर
- राज्य में वनरक्षक प्रशिक्षण संस्थान – 03 (महासमुंद, सक्ती, जगदलपुर)
- राज्य में वन विद्यालय – 03 (अंबिकापुर, कवर्धा, भानुप्रतापपुर)

वन्यजीव एवं अभयारण्य (Wildelife and Sanctuary)

- राज्य में राष्ट्रीय उद्यानों की संख्या – 03
- क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान – गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान (1441 वर्ग किमी.)

- क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे छोटा राष्ट्रीय उद्यान – कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान (200 वर्ग किमी.)
- राज्य का एकमात्र प्रोजेक्ट टाईगर घोषित राष्ट्रीय उद्यान जिसे – इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान
- राज्य में वन्यजीव अभयारण्यों संख्या – 11
- राज्य का सबसे बड़ा वन्यजीव अभयारण्य – तमोरपिंगला (608 वर्ग किमी.)
- राज्य का सबसे छोटा वन्यजीव अभयारण्य – बादलखोल (105 वर्ग किमी.)
- राज्य का सबसे प्राचीन वन्यजीव अभयारण्य – सीतानदी (1974)
- राज्य का सबसे नवीन वन्यजीव अभयारण्य – भोरमदेव (2001)
- राज्य में सर्वाधिक बाघ वाला अभयारण्य – अचानकमार (मुंगेली)
- राज्य में सर्वाधिक तेंदुआ वाला अभयारण्य – सीतानदी (धमतरी)
- राज्य में टाइगर रिज़र्व की संख्या – 03 (इंद्रावती टाइगर रिज़र्व, सीतानदी-उदंती टाइगर रिज़र्व, अचानकमार टाइगर रिज़र्व)

खजिन *(Minerals)*

- राज्य में अनुमानित खनिजों की संख्या – 28
- राज्य खनिज विकास निगम की स्थापना – 7 जून, 2001
- खनिज उत्पादन की दृष्टि से राज्य का स्थान – पाँचवा
- खनिज भंडारण की दृष्टि से राज्य का स्थान – तीसरा (पहला- ओडिशा, दूसरा- झारखंड)
- राज्य के राजस्व आय में खनिज का योगदान – 27%
- देश के मुख्य खनिज राजस्व उत्पादन में राज्य का योगदान – 9.3%
- राज्य में सर्वाधिक रॉयल्टी दर वाला खनिज – लौह अयस्क
- राज्य में लौह अयस्क का उत्पादन करने वाली इकाई – एन.एम.डी.सी.
- राज्य में कोयला उत्पादन करने वाली इकाई – एस.ई.सी.एल.
- राज्य में प्रमुख कोयला क्षेत्र – हसदेव रामपुरा क्षेत्र, मांड घाटी कोयला क्षेत्र
- भारत की सबसे बड़ी मशीनीकृत खान – बैलाडीला
- राज्य में एल्युमिनियम के उत्पादन के लिये स्थापित सार्वजनिक क्षेत्र की प्रथम कंपनी – बाल्को (BALCO)

उद्योग *(Industry)*

- छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड (CSIDC) की स्थापना – 7 अप्रैल, 2001
- राज्य का सबसे बड़ा औद्योगिक केंद्र – सिलतरा (रायपुर)
- राज्य का प्रथम औद्योगिक केंद्र – उरला (रायपुर) 1990
- राज्य में सर्वाधिक रोज़गार देने वाला औद्योगिक क्षेत्र – उरला (रायपुर)
- राज्य का सबसे अधिक निवेश वाला औद्योगिक केंद्र – उरला (रायपुर)
- औद्योगिक रूप से सर्वाधिक विकसित ज़िला – दुर्ग

- राज्य का पहला विशेष आर्थिक प्रक्षेत्र – रायपुर
- राज्य का नवीनतम विशेष आर्थिक प्रक्षेत्र – राजनांदगाँव
- राज्य का प्रथम उद्योग – कपास उद्योग (बंगाल नागपुर कॉटन मिल)
- राज्य का एकमात्र जूट मिल उद्योग – मोहन जूट मिल
- राज्य का प्रथम सीमेंट संयंत्र – एसोसिएट सीमेंट कंपनी
- राज्य में सीमेंट के सर्वाधिक कारखाने – बलौदाबाज़ार
- राज्य का प्रथम शक्कर कारखाना – भोरमदेव शक्कर कारखाना, राम्हेपुर (कवर्धा) (मार्च 2003)

छत्तीसगढ़ शासन के विभिन्न भवनों के नाम

(Names of Various Buildings of Chhattisgarh Government)

- महानदी भवन – मंत्रालय एवं सचिवालय भवन
- इंद्रावती भवन – निदेशालय भवन
- मिनीमाता भवन – विधानसभा भवन
- करुणा – मुख्यमंत्री निवास
- संगवारी – विधायकों का विश्रामगृह
- पहुना – राज्यशासन का विश्रामगृह
- संजीवनी – राज्य चिकित्सालय
- संवेदना – विधानसभा अध्यक्ष निवास
- सोनाखान – राज्य खनिज भवन
- मितानीन – ज़िला पंचायत भवन
- रामगीरी – पी.एच.ई. मुख्य अभियंता कार्यालय
- रेणुका – निगम प्रवेश द्वार
- अरण्य भवन – वन विभाग
- सिहावा – जल संसाधन प्रमुख अभियंता

छत्तीसगढ़ : समसामयिकी
(Chhattisgarh : Current Affairs)

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

छत्तीसगढ़ का 28वाँ ज़िला- गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

सामान्य परिचय

- घोषणा – 15 अगस्त, 2019
- अधिसूचना तिथि – 20 सितंबर, 2019
- राजपत्र में प्रकाशन – 30 दिसंबर, 2019
- सृजन तिथि – 10 फरवरी, 2020

ज़िला परिचय

- क्षेत्रफल – 2307.39 वर्ग किमी.
- मातृ ज़िला – बिलासपुर
- सीमावर्ती ज़िला – बिलासपुर, मुंगेली, कोरिया, कोरबा
- कुल जनसंख्या – 336420
- विधानसभा सीट – 01 (मरवाही, अनुसूचित जाति सीट)
- कुल तहसील/विकासखंड – 03 (गौरेला-पेंड्रा-मरवाही)

ज़िला निर्माण पश्चात् भौगोलिक परिवर्तन

- कुल ज़िला संख्या – 28
- भू-आवेष्ठित ज़िला – 10 (बिलासपुर एक भूआवेष्ठित ज़िला बन जाएगा)
- सीमावर्ती ज़िला – 18 (गौरेला-पेंड्रा-मरवाही सीमावर्ती ज़िला होगा)
- बलौदा बाज़ार एवं कोरबा ऐसे ज़िले होंगे जिनकी सीमा 7 ज़िलों से संलग्न होगी।
- बिलासपुर ज़िले की सीमा 5 ज़िलों (मुंगेली, बलौदा बाज़ार, जांजगीर-चांपा, कोरबा, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही) से संलग्न होगी।
- गौरेला-पेंड्रा-मरवाही ज़िले की सीमा प्रदेश के 4 ज़िलों (मुंगेली, बिलासपुर, कोरबा, कोरिया) से संलग्न होगी।
- मुंगेली ज़िले की सीमा 5 ज़िलों (कबीरधाम, बलौदा बाज़ार, बिलासपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही) से संलगन होगी।
- मरवाही विधानसभा क्षेत्र लोकसभा चुनाव के दौरान कोरबा लोकसभा क्षेत्र में आता है।

पंचायत चुनाव: 2020

- निर्वाचन तिथि – 28, 31, जनवरी एवं 03 फरवरी, 2020
- कुल चरण – 03

निर्वाचन

- प्रथम चरण – 57 जनपद पंचायत
- द्वितीय चरण – 36 जनपद पंचायत
- तृतीय चरण – 53 जनपद पंचायत

नगरीय निकाय चुनाव: 2019

- निर्वाचन तिथि – 21 दिसंबर, 2019
- कुल चरण – 01
- मतगणना तिथि – 24 दिसंबर, 2019

कार्यक्रम घोषणा

- नामांकन – 30 नवंबर, 2019 से 6 दिसंबर, 2019
- नामांकन पत्रों की जाँच – 7 दिसंबर, 2019
- चिह्न आबंटन – 9 दिसंबर, 2019
- मतदान तिथि – 21 दिसंबर, 2019
- मतगणना तिथि – 24 दिसंबर, 2019

नगरीय निकाय निर्वाचन एवं सदस्य संख्या

- दिसंबर 2019 में छत्तीसगढ़ के कुल 151 नगरीय क्षेत्र एवं उसके अंतर्गत 2,840 वार्ड में निर्वाचन कार्य संपन्न हुए।

नगरीय निकाय	निकाय संख्या	वार्ड संख्या
नगर पालिका निगम	10	542
नगर पालिका परिषद्	38	753
नगर पंचायत	103	1545
कुल निकाय	**151**	**2,840**

ऐसे नगर निगम जहाँ चुनाव नहीं हुए

- नगर निगम, भिलाई
- नगर निगम, बिरगाँव
- नगर निगम, भिलाई चरौदा
- नवीनतम नगर निगम, रिसाली

निकाय	अधिकतम खर्च सीमा
नगर पंचायत	₹ 50 हज़ार
नगर पालिका	₹1.5 लाख
नगर निगम	₹ 103 लाख (3 लाख से कम आबादी क्षेत्र में)
नगर निगम	₹ 105 लाख (3-5 लाख आबादी क्षेत्र में)

राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव

सामान्य परिचय

- आयोजन तिथि – 27-29 दिसंबर, 2019
- आयोजन स्थल – साइंस कॉलेज मैदान, रायपुर
- मुख्य अतिथि – श्री राहुल गांधी
- अध्यक्षता – श्री भुपेश बघेल (मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ शासन)
- शामिल कलाकार – 25 राज्य एवं 6 देशों के 1350 प्रतिभागी

पुरस्कार राशि

- प्रथम पुरस्कार – ₹ 20 लाख (प्रत्येक विधा हेतु ₹ 5 लाख)
- द्वितीय पुरस्कार – ₹ 12 लाख (प्रत्येक विधा हेतु ₹ 3 लाख)
- तृतीय पुरस्कार – ₹ 8 लाख (प्रत्येक विधा हेतु ₹ 2 लाख)
- सांत्वना पुरस्कार – ₹ 01 लाख (प्रत्येक विधा हेतु ₹ 25 हज़ार)

पुरस्कार वितरण

विवाह एवं अन्य संस्कार विधा

- प्रथम पुरस्कार – छत्तीसगढ़ (गौर माड़िया नृत्य)
- द्वितीय पुरस्कार – झारखंड तीन लाख
- तृतीय पुरस्कार – 1. लद्दाख 2. सिक्किम
- सांत्वना पुरस्कार – हिमाचल प्रदेश

पारंपरिक त्योहार एवं अनुष्ठान नृत्य विधा

- प्रथम पुरस्कार – ओडिशा (सिंगारी नृत्य)
- द्वितीय पुरस्कार – महाराष्ट्र
- तृतीय पुरस्कार – 1. झारखंड 2. आंध्र प्रदेश
- सांत्वना पुरस्कार – मध्य प्रदेश

फसल कटाई-कृषि नृत्य विधा

- प्रथम पुरस्कार – बिहार (करमा नृत्य)
- द्वितीय पुरस्कार – उत्तर प्रदेश
- तृतीय पुरस्कार – 1. त्रिपुरा 2. तमिलनाडु
- सांत्वना पुरस्कार – तेलंगाना

अन्य पारंपरिक नृत्य विधा

- प्रथम पुरस्कार – उत्तराखंड (बकरवाल)
- द्वितीय पुरस्कार – हिमाचल प्रदेश
- तृतीय पुरस्कार – 1. गुजरात 2. गुजरात
- सांत्वना पुरस्कार – अरुणाचल प्रदेश

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव, 2019

- आयोजन तिथि – 1 से 5 नवंबर , 2019
- आयोजन स्थल – साइंस कॉलेज मैदान, रायपुर
- प्रमुख थीम – गढ़बो नवा छत्तीसगढ़
- शुभारंभकर्त्ता – मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल
- कुल अवधि – 5 दिवस
- मुख्य अतिथि – मुख्यमंत्री भूपेश बघेल (प्रथम दिवस)

प्रमुख घोषणा

छत्तीसगढ़ का राज्य गीत

- राज्योत्सव 2019 के दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के द्वारा डॉ. नरेंद्र देव वर्मा कृत 'अरपा पैरी के धार.....' को छत्तीसगढ़ का राज्यगीत घोषित किया गया है।
- कुल गायन अवधि – 6.36 मिनट
- मानक अवधि – 1– 2 मिनट
- राज्य गीत – अरपा पैरी के धार.....
- राज्य गीत के रचयिता – डॉ. नरेंद्र देव वर्मा

छत्तीसगढ़ को प्राप्त राष्ट्रीय पुरस्कार

कृषि कर्मण पुरस्कार, 2020

- पुरस्कृत तिथि – 02 जनवरी, 2020
- आयोजन स्थान – तुमकुम (कर्नाटक)
- प्रदानकर्त्ता – प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी
- सम्मान ग्रहिता – श्री रवींद्र चौबे (कृषि मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन)
- क्षेत्र (सम्मान) – वर्ष 2016-17 में कुल खाद्यान्न उत्पादन श्रेणी-02 में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु।
- पुरस्कृत राशि – 5 करोड़ रुपये, ट्रॉफी व प्रशस्ति पत्र

केंद्र सरकार का असाधारण कुशलता अवार्ड, 2020

- पुरस्कृत – 3 जनवरी, 2020
- पंचायत एवं ग्रामीण विकास की विभिन्न योजनाओं में उत्कृष्ट कार्य हेतु छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर 22 पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।
  - ◆ प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) 09
  - ◆ महात्मा गांधी रोज़गार गारंटी योजना 07
  - ◆ राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविकास मिशन 05
  - ◆ प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना 01

धान की दुर्लभ किस्म के संरक्षण हेतु छत्तीसगढ़ पुरस्कृत

- पुरस्कृत तिथि- 23 अक्टूबर 2019
- प्राप्तकर्त्ता – आदर्श महिला आत्म समूह, ग्राम तर्रा, पाटन (दुर्ग)

महत्त्वपूर्ण तथ्य:

- भारत सरकार के कृषि मंत्रालय द्वारा इन महिला कृषकों के समूह को धान की दुर्लभ परंपरागत किस्म ग्रीन राईस, ब्लैक राईस एवं करहानी धानी के संरक्षण व संवर्द्धन हेतु पादप जीनोम सेवियर पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय पंचायत सशक्तीकरण पुरस्कार, 2019

- पुरस्कृत तिथि – 23 अक्टूबर, 2019
- भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली में राष्ट्रीय पंचायत अवार्ड, 2019 का आयोजन किया गया।
- छत्तीसगढ़ के पंचायत मंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव ने पुरस्कार ग्रहण किया।

दीनदयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तीकरण पुरस्कार

- ज़िला पंचायत, कांकेर
- नगरी जनपद पंचायत, धमतरी
- सहसपुर-लोहारा जनपद पंचायत, कबीरधाम
- कंदरई ग्राम पंचायत सूरजपुर
- मुसरकला ग्राम पंचायत, राजनांदगाँव
- रूआतला ग्राम पंचायत, धमतरी
- बोरई ग्राम पंचायत, दुर्ग

नानाजी देशमुख राष्ट्रीय गौरव ग्राम पुरस्कार

- कुटेलीखुर्द ग्राम पंचायत छुईखदान, राजनांदगाँव।

बाल मित्र ग्राम पंचायत पुरस्कार

- कुटरू ग्राम पंचायत भैरमगढ़ विकासखंड (बीजापुर)
- प्रदेश दुरस्थ वनांचल में बसे कुटरू ग्राम पंचायत में बच्चों की शिक्षा, सेहत और स्वच्छता के लिये श्रेष्ठ कार्य किया है।

छत्तीसगढ़ को भारत सरकार का ई-पंचायत पुरस्कार

पंचायतों के सशक्तीकरण और विभागीय योजनाओं को लागू करने में सूचना और संचार तकनीक के प्रभावी उपयोग के लिये छत्तीसगढ़ को भारत सरकार के पंचायतीराज मंत्रालय ने ई-पंचायत पुरस्कार से नवाजा है।

स्वच्छता के क्षेत्र में राष्ट्रीय पुरस्कार: कांकेर ज़िला पुरस्कृत, 2019

- पुरस्कृत तिथि – 06 सितंबर , 2019
- प्राप्तकर्त्ता – कांकेर ज़िला

लिंगानुपात में निरंतर वृद्धि हेतु रायगढ़ ज़िला पुरस्कृत, 2019

- पुरस्कृत तिथि – 06 सितंबर, 2019
- पुरस्कृत ज़िला – रायगढ़
- क्षेत्र – बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान में उल्लेखनीय कार्य हेतु।

महत्त्वपूर्ण तथ्य

- गौरतलब है कि 24 जनवरी, 2019 को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु रायगढ़ ज़िला को पुरस्कृत किया जा चुका है।
- मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल बी.पी. मंडल सामाजिक न्याय रत्न से सम्मानित, 2019

  पुरस्कृत तिथि – 25 अगस्त, 2019

  प्राप्तकर्त्ता – मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल

  क्षेत्र – जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्ग के लिये आरक्षण बढ़ाने का फैसला लेन हेतु।
- पोषण अभियान में उल्लेखनीय कार्य: छत्तीसगढ़ को मिले 5 राष्ट्रीय पुरस्कार, 2019

  पुरस्कृत तिथि- 23 अगस्त, 2019

  क्षेत्र – पोषण अभियान में उल्लेखनीय कार्य के लिये पाँच राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त।
- स्वास्थ्य व पोषण के क्षेत्र में बेहतर सुधार हेतु कोंडागाँव ज़िला देश में प्रथम, 2019

  पुरस्कृत तिथि – 06 मार्च, 2019

  पुरस्कृत ज़िला – कोंडागाँव

  क्षेत्र – स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में किये गए सुधार के फलस्वरूप।
- छत्तीसगढ़ देश का सबसे स्वच्छ राज्य हेतु पुरस्कृत, 2019
  - राष्ट्रपति कोविंद ने समारोह में छत्तीसगढ़ के नगरीय प्रशासन और विकास मंत्री श्री शिवकुमार डहरिया को यह पुरस्कार छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर शहर को देशभर में दूसरा और भिलाई नगर को 11वाँ स्थान मिलने पर प्रदान किया है।
- पहली बार निर्वाचन में छत्तीसगढ़ को मिले सर्वाधिक चार राष्ट्रीय पुरस्कार, 2019

  पुरस्कृत तिथि – 25 जनवरी, 2019 (मतदाता दिवस)

  सम्मानग्रहिता – श्री सुब्रत साहू (मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी)
- छत्तीसगढ़ राज्य में विधानसभा निर्वाचन-2019 में सर्वश्रेष्ठ कार्य निष्पादन हेतु छत्तीसगढ़ के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सुब्रत साहू को राष्ट्रीय सम्मान से नवाजा गया है।
- छत्तीसगढ़ की तीन आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ताओं को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार, 2019
  - छत्तीसगढ़ की तीन आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ताओं को आंगनबाड़ी सेवाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिये राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

  1. श्रीमती प्रेमलता चक्रेश (जशपुर)
  2. श्रीमती मीना वर्मा (दुर्ग)
  3. श्रीमती पूनम विंझवार (कोरबा)
- राष्ट्रीय उद्यमिता पुरस्कार, 2019
  - उद्यमिता को बढ़ावा देने के क्षेत्र में केंद्र शासन द्वारा छत्तीसगढ़ को हॉस्पिटेलिटी कैटेगेरी में पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

रामवन पथ गमन सर्किट

- भगवान राम के वनवास काल के दौरान प्रदेश में बिताए गए या रहने के स्थानों को पर्यटन सर्किट के रूप में विकसित किया जाएगा।
- इसके तहत् राज्य सरकार प्रदेश के 51 स्थानों को विकसित करेगी।
- राम वन गमन को पर्यटन परिपथ बनाने की शुरुआत मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के द्वारा दिसंबर, 2019 को रायपुर ज़िले के चंद्रखुरी स्थित माता कौशल्या मंदिर से किया गया।
- मन्नुलाल यदु - दंडकारण्य रामायण
- डॉ. हेमु यदु - छत्तीसगढ़ पर्यटन में राम वन गमन मार्ग।

प्रथम चरण में 08 स्थल शामिल

1. सीतामढ़ी-हरचौका - कोरिया
2. रामगढ़- सरगुजा
3. शिवरीनारायण - जांजगीर-चांपा
4. तुरतुरिया - महासमुंद/बलौदाबाज़ार
5. चंद्रखुरी - रायपुर
6. राजिम - गरियाबंद
7. सिंहावा (सप्त श्रृंगी ऋषी आश्रम)- धमतरी
8. जगलपुर - बस्तर

विधायिका प्रमुख

- राज्यपाल - श्रीमती अनुसूइया उइके
- मुख्यमंत्री - श्री भूपेश बघेल
- विधानसभा अध्यक्ष - श्री चरणदास महंत
- विधानसभा उपाध्यक्ष - श्री मनोज मंडावी
- विधानसभा नेता प्रतिपक्ष- श्री धरमलाल कौशिक
- संसदीय कार्य मंत्री- श्री रवींद्र चौबे

न्यायिक प्रमुख

- मुख्य न्यायाधीश, उच्च न्यायालय - पी.आर. रामचंद्र मेनन
- महाधिवक्ता, छत्तीसगढ़ - श्री सतीश चंद्र वर्मा

प्रशासनिक प्रमुख

- मुख्य सचिव, छत्तीसगढ़ शासन- श्री आर.पी. मंडल
- पुलिस महानिदेशक - श्री दुर्गेश माधव अवस्थी
- लेखा परीक्षक - श्री बी.के. मोहंती
- गृह सचिव - श्री सुब्रत साहू
- वन सचिव- श्री मनोज कुमार पिगुआ

निधन

नत्थूराम रामटेके

- राजनांदगाँव के प्रसिद्ध अभिनेता।
- इन्होंने वॉलीवुड में राजकपूर, अमिताभ बच्चन और धर्मेंद्र सहित कई मशहूर हस्तियों के साथ काम किया।
- महज 02 फीट के बौने कलाकार, जो नत्थू दादा के नाम से प्रसिद्ध थे।

भीमा मंडावी

- दंतेवाड़ा ज़िले में नक्सलियों ने भाजपा विधायक भीमा मंडावी के काफिले पर आई.ई.डी. बम से हमला कर दिया।
- कुंआकोडा क्षेत्र में हुए इस माओवादी हमले में विधायक भीमा मंडावी की मौत हो गई।

खुमान साव

- छत्तीसगढ़ लोक संगीत की देश दुनिया में पहचान बनाने वाले प्रसिद्ध संगीतकार।
- इन्होंने चंदेली गोंदा में संगीत निदेशक का कार्य किया।

चर्चित स्थल

सारकेगुड़ा

- जलियाँवाला बाग की तरह सारकेगुड़ा में मारे गए लोगों की याद में एक विशाल स्मारक तैयार किया जाएगा।
- आरोप है कि 28 जून, 2012 को बीजापुर व बासागुड़ा से निकले बटालियन व सीआरपीएफ जावानों ने सारकेगुड़ा गाँव में ग्रामीणों को नक्सली समझकर उन पर गोलियाँ चलाई थीं, जिसमें 17 लोग मारे गए।
- 07 साल से इस पर न्याय हेतु काका कमला कानूनी लड़ाई लड़ रही हैं।

अंबिकापुर

- देश का प्रथम गार्बेज कैफे।
- नगर निगम द्वारा इस कैफे में कचरा देने पर नि:शुल्क भोजन व नाश्ता प्रदान किया जाता है।

कोंडागाँव

- प्रदेश का प्रथम मक्का प्रोसेसिंग यूनिट।
- कोंडागाँव ज़िले में माँ दंतेश्वरी मक्का प्रसंस्करण एवं विपणन सहकारी समिति की स्थापना की गई है।

कुहेरा-राखी

- देश का प्रथम नैसर्गिक कोसा अभयारण्य।
- नवा रायपुर स्थित कुहेरा-राखी नामक ग्राम में देश का प्रथम नैसर्गिक कोसा अभयारण्य स्थापित किया जा रहा है।

भिलाई

- प्रदेश का पहला स्पोर्ट्स हॉस्टल।
- खिलाड़ियों को बेहतर सुविधा देने के लिये राज्य सरकार द्वारा भिलाई में स्पोर्ट्स हॉस्टल खोला जा रहा है।
- इसके लिये खेल एवं युवाकल्याण विभाग दुर्ग ने खुर्सीपाार मिनी स्टेडियम को चिह्नांकित किया है।

स्व. राजेश पटेल एस्ट्रोग्रास फुटबॉल स्टेडियम

- छत्तीसगढ़ का पहला एस्ट्रोग्रास फुटबॉल स्टेडियम भिलाई में बनाया गया है।

कांकेर

- प्रदेश का 9वाँ राजकीय मेडिकल कॉलेज की स्थापना कांकेर में की जाएगी।
- मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के द्वारा कांकेर के अलावा महासमुंद एवं कोरबा में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की घोषणा की गई है।